

IMPORTANCE OF VACCINATION IN TEENS WITH INTERNATIONAL SPEAKERS IN JAIPUR



INTERNATIONAL PRIME SUMMIT 2.0
Demystifying Vaccination Priming Related Concerns with Evidence

In association with
IAP Jaipur Branch

Dear Doctor,
Join us for an immersive and insightful journey on the DTP combination vaccines by blending in perspectives from both, India and International experts, to deduce future vaccination strategies in order to optimise vaccination coverage and enhance compliance to schedules. The summit aims at uncovering the concerns around vaccination priming and complexities of Polio and Pertussis, backed up with real-world evidence and advancement in aP formulations akin to those in fully liquid Hexavalent Vaccines. Your insights are crucial in shaping strategies for DTP combination vaccines in India.

International Speakers

Dr. Rakhee Yadav

- Head of Department of Pediatrics & Resident Consultant Pediatrics at Ara Damansara Medical Centre, Consultant Pediatrician at Baby and Beyond Child Specialist Clinic Publika
- Consultant Pediatrician from Malaysia with nearly 21 years of experience
- Bachelor of Medical Science, Doctor of Medicine, MRCPCH Part 1a, 1b & 2a (UK), M Med Pediatrics, Post Graduate Diploma in Pediatric Nutrition – Boston USA, Early Nutrition Specialist – Munich Germany

Dr. Denis Macina

- Head – Sanofi Global Medical dedicated to Pediatric Combination Vaccines including Hexaxim, Pertaxim & Head Medical Evidence Generation
- 22 years of vaccine industry experience focused on pediatric and booster combination vaccines
- MSc in Immunology (Canada), Master in Public Health (Baltimore – USA)

Join us

Date: _____ **Time:** _____ **Venue:** _____

SEMINOR WITH MEDIA AND GENERAL PUBLIC ON PROTECTION OF HPV BY JAIPUR IAP



जयपुर में चिकित्सा विशेषज्ञों ने अभियान की आवाज को मजबूती देते हुए एचपीवी से जुड़े कैंसर

■ दिव्य राष्ट्र

जयपुर। स्वेम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के देशव्यापी जन स्वास्थ्य अभियान के तहत बुधवार को जयपुर में 'कॉन्कर एचपीवी एंड कैंसर कॉन्क्लेव 2025' लॉन्च किया गया। इस अभियान का लक्ष्य हृद्यमन पेपिलोमोमावायरस (एचपीवी) के प्रति और यह वाइरस किस तरह सर्वाइकल और अन्य तरह के कैंसर का कारण बनता है उसे लेकर जागरूकता पैदा करना है। इस अभियान का मकसद लोगों में यह जागरूकता लाना है कि जल्दी इलाज के लिए कदम उठाकर इसे कैसे रोका जा सकता है। भारत भी एचपीवी से संबंधित बीमारियों का बोझ सह रहा है और खास तौर पर सर्वाइकल कैंसर से प्रभावित आबादी की संख्या खासी है। देश में कैंसर से होने वाली महिलाओं की मौतों का यह दूसरा सबसे कारण है। आईसीओ/आईएआरसी इनफार्मेशन सेंटर ऑन एचपीवी एंड कैंसर के मुताबिक भारत में हर साल 1.23 लाख से ज्यादा सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आते हैं और इनमें 77,000 मौतें होती हैं। इसके अलावा गुंघ कैंसर के 90% मामले और लिंग कैंसर के 63% मामले एचपीवी से जुड़े होते हैं। कॉन्क्लेव की यह



शुंखला सभी चिकित्सकीय विशेषज्ञों, स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों और स्थानीय स्तर पर काम करने वाली सोसाइटी को एक मंच प्रदान करती है कि वे आपस में बातचीत और जानकारी को साझा करके इस खतरनाक चुनौती से निपटने के लिए एकजुट हों। जयपुर के आयोजन में, एचपीवी के मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर विस्तार से चर्चा हुई। इस पैनल में अपोलो मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल के कंसल्टेंट बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अपूर्वा टाक - एमसीएच, डॉ. एनबी (गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी), एमएनएमएस, एडिशनल कंसल्टेंट 5 सर्जिकल (गायनेकोलॉजी)

ऑन्कोलॉजी, भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, डॉ. आशीष अग्रवाल - स्टीनियर कंसल्टेंट, नियोक्लिनिक चिल्ड्रन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, डॉ. मोहित चोहरा - डायरेक्टर - सराक्त चाइल्ड केयर, गैस्ट्रो एंड लिवर सेंटर और सचिव - जयपुर आईएच के साथ डॉ. अंशु पटौदिया - स्टीनियर कंसल्टेंट, मीग हॉस्पिटल; जनरल सेक्रेटरी-आईएससीसीपी, राजस्थान स्टेट ब्रांच और डॉ. योना आचार्य - स्टीनियर कंसल्टेंट और हेड, ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेक प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजिस्ट, राजस्थान हॉस्पिटल, और गर्बनिंग काउंसिल आईसीएमसीएच, नएआरसीएचआई, इंडिया

की चेयरपर्सन। सत्र का संचालन इंस्टिट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ के बाल रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. जयदीप चौधरी ने किया। सभी ने इस वाइरस को लेकर तुरंत जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता, किशोरों और माता-पिता दोनों तक पहुंचने के महत्व और इससे बचाव में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। सभी वक्ताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि एचपीवी सिर्फ सर्वाइकल कैंसर तक ही सीमित नहीं है। यह कल्या, वैजाइना, एनस (गुंघ), लिंग और ओरोफेरिक्स (मुख-इंसनी) के कैंसर से भी जुड़ा है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित करता है। 15 से 25 वर्ष की आयु के बीच एचपीवी संक्रमण की आशंका सबसे ज्यादा होने के कारण, प्रारंभिक जागरूकता और समय पर इसे रोकने के लिए कदम उठाए जाना जरूरी है। जयपुरकॉन्क्लेव का समापन खुली चर्चा से हुआ जिसमें आमंत्रित लोगों ने भी भाग लिया। उनकी भागीदारी से इस अभियान के लक्ष्य- 'जागरूकता के साथ निर्णय लेने और सामुदायिक सहभागिता के जरिए रोकें जा सकने वाले कैंसर को काबू में करना' को हासिल करने की दिशा में शानदार समर्थन मिला।

Troubled Skin Troubled Teen Solutions to soothe adolescents

Key takeaways:

1. Adolescents differ from children and adults.
2. Troubled with search for identity.
3. More on social media, impulsive
4. Parents can help their adolescent children by listening to them, be approachable, courteous to them, and not humiliate them
5. Adolescents in turn should see parents as their benefactors, be courteous to them and share their feelings.
6. Acne vulgaris - Treatment (comedonal - topical antibiotic and topical benzoyl peroxide or retinoid; papular - topical plus oral antibiotic; nodulocystic would need oral retinoids and would need dermatologist opinion)
7. Alopecia areata - limited patchy alopecia would need topical potent steroid or topical JAK inhibitors

CME ON TEENAGE SKIN ISSUES

